Adda247
GET IT ON Google Play

Bihar D.EL.ED Hindi Questions for Blog

Q1. 'दीपावली' का सही संधि-विच्छेद क्या है?
(a) दीप + आवली
(b) दी + पावली
(c) दीप + आ + वली
(d) दी + प + आ + वली

Q2. जब दो या दो से अधिक शब्द अपने अर्थ को बिना बदले एक नए शब्द में बदल जाते हैं, तो इसे क्या कहते हैं?
(a) उपसर्ग
(b) प्रत्यय
(c) समास
(d) सन्धि

Q3. जलधि में कौन सा समास है-
(a) कर्मधारय
(b) अव्ययीभाव
(c) द्विगु
(d) तत्पुरुष

Q4. वह जो सूर्य के साथ चमकता है,
उसकी किरणें धरती पर बिखरती हैं।
जीवन के संघर्षों में, उसका प्रकाश हमें मार्गदर्शन देता है।
वो जो अपने पथ पर दृढ़ता से चलता है,
उसकी राह आसान हो जाती है,
क्योंकि उसकी मेहनत और विश्वास में शक्ति होती है।"
दृढ़ता का विलोम ?
(a) कमजोरी
(b) साहस
(c) संकल्प
(d) स्थिरता

Q5. 'Substantiate' के लिए सही पारिभाषिक शब्द क्या है?
(a) प्रमाणित करना
(b) अस्वीकार करना
(c) स्पष्ट करना
(d) घेरना

Q6. 'Eminent' के लिए सही हिन्दी पारिभाषिक शब्द क्या है?
(a) प्रसिद्ध
(b) सामान्य
(c) कुख्यात
(d) दुर्बल

Q7. 'वह पुस्तकालय में पढ़ाई करता है।' उक्त वाक्य में उद्देश्य है-
(a) पुस्तकालय
(b) पढ़ाई
(c) वह
(d) पढ़ाई करता है

Q8. 'वह जल्दी काम करता है।' उपर्युक्त वाक्य में विधेय है
(a) वह
(b) जल्दी
(c) काम
(d) करता है

Q9. 'नौ सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली' लोकोक्ति का अर्थ होगा-
(a) झूठ बोलना
(b) गलती करना
(c) पाप करके पुण्य की राह पर चलना
(d) बहुत सारे काम करना

Q10. इनमें से कौन सा वाक्य अशुद्ध है?
(a) उसने मुझे सच बताया।
(b) वह कल स्कूल जाएगी।
(c) वह घर जा रहे हैं।
(d) मैं जल्दी से स्कूल पहुँच गया।

Q11. 'राजीव बड़े ध्यान से पढ़ाई करता है।' रेखांकित शब्द में कौन सा पदबंध है?
(a) संज्ञा पदबंध
(b) क्रिया विशेषण पदबंध
(c) विशेषण पदबंध
(d) क्रिया पदबंध

Q12. 'उसने सबको सच्चाई बताई।' वाक्य में कौन सा वाच्य है?
(a) कर्तृवाच्य
(b) कर्तृवाच्य
(c) कर्मवाच्य
(d) इनमें से कोई नहीं

Q13. वाक्य का वह अंश जो किसी वस्तु, व्यक्ति या स्थान के बारे में जानकारी देता है, कहलाता है:-
(a) कर्ता
(b) कर्म
(c) विशेषण
(d) संज्ञा

Q14. वह शब्द जो किसी वस्तु के बारे में केवल संकेत करते हैं, उसे कहते हैं-
(a) परोक्षार्थ
(b) सापेक्षार्थ
(c) सामान्यार्थ
(d) प्रत्यक्षार्थ

Q15. 'साक्षात भगवान के दर्शन से सभी पाप समाप्त हो जाते हैं।' इस वाक्य में शब्द शक्ति है-
(a) व्यंजना
(b) अभिधा
(c) लक्षणा
(d) तीनों

Q16. 'गगन में चाँद सितारे खिले हैं' वाक्य में कौन सा अलंकार है?
(a) रूपक
(b) अनुप्रास
(c) उत्प्रेक्षावादी अलंकार
(d) स्यान्त अलंकार

Q17. "मनमोहक चेहरा देख कर सभी लोग मंत्रमुग्ध हो गए।" इस वाक्य में कौन सा अलंकार है?
(a) उपमा
(b) रूपक
(c) अनुप्रास
(d) यमक

Q18. "आँखों में चमक, चेहरे पर मुस्कान, ये सब बातें उसके व्यक्तित्व की चमक को दिखाती हैं।" इस वाक्य में कौन सा अलंकार है?
(a) रूपक
(b) अनुप्रास
(c) उपमा
(d) यमक

Q19. "उसकी आवाज़ में गहरी मिठास है, जैसे शहद में घुली हुई हो।" इस वाक्य में कौन सा अलंकार है?
(a) रूपक
(b) अनुप्रास
(c) श्लेष
(d) उपमा

Q20. "वह सुनहरा सा हल्का प्रकाश रात की गहराई में बिखेरता है।" इस वाक्य में कौन सा अलंकार है?
(a) रूपक
(b) अनुप्रास
(c) उपमा
(d) यमक

Q21. "वह व्यक्ति बिना शब्दों के अपनी बातों को चेहरे के हाव-भाव से व्यक्त करता है।" इस वाक्य में कौन सा अलंकार है?
(a) रूपक
(b) उपमा
(c) यमक
(d) श्लेष

Q22. "वह चाँद की तरह चमक रहा है, जैसे आकाश में तारे छिटकते हैं।" इस वाक्य में कौन सा अलंकार है?
(a) रूपक
(b) उपमा
(c) यमक
(d) अनुप्रास

Q23. "जिस छन्द में प्रत्येक सम चरण में 13-13 वर्ण होते हैं और विषम चरण में 11-11 उसे क्या कहा जाता है?"
(a) सोरठा
(b) त्रिताली
(c) रोला
(d) मंदाकिनी

Q24. "काव्य में जिन शब्दों के माध्यम से पाठक के मन में शांति, सौम्यता और संतुलन का अहसास होता है, वह कौन सा काव्य-गुण कहलाता है?"
(a) माधुर्य गुण
(b) ओज गुण
(c) प्रसाद गुण
(d) वीरता गुण

Q25. "काव्य में वीर रस कितने प्रकार के होते हैं?"
(a) तीन
(b) दो
(c) चार
(d) पाँच

Q26. 'विद्यालय' शब्द का संधि-विच्छेद है-
(a) विद्या+आलय
(b) विद्या+लय
(c) विद्याल+य
(d) विद्+यालय

Q27. जिस समास में दोनों पदों का समान महत्व होता है, उसे कहते हैं-
(a) तत्पुरूष
(b) अव्ययीभाव
(c) द्वंद्व
(d) बहुव्रीहि

Q28. दिन-रात में समास है।
(a) तत्पुरूष
(b) अव्ययीभाव
(c) द्वंद्व
(d) बहुव्रीहि

Q29. धरती पर जब शांति का संकट था,
कुरुक्षेत्र का युद्ध फिर छिड़ने को था।
श्रीकृष्ण ने हर दिल में विवेक जगाया,
आदर और प्रेम का मार्ग दिखाया।
"न्याय का पालन करो, दया से जीयो,
सत्य की राह में ही जीवन का आरंभ है।
सिर्फ भूमि का नहीं, मन का साम्राज्य चाहिए,
दृढ़ विश्वास से ही विजय की राह है।"
दुर्योधन ने न समझा, अहंकार बढ़ाया,
श्रीकृष्ण के सत्य को न अपनाया।
तभी युद्ध के संग तलवारें चमकीं,
मगर बुद्धि की शक्ति फिर भी बेमानी हुई।
जब विवेक की मति मर जाती है,
वह नाश की राह पर ले जाती है।
श्रीकृष्ण आए थे जीवन का संदेशा देने,
धर्म और न्याय का मार्ग फिर से दिखाने।
"श्रीकृष्ण ने दुर्योधन को क्या संदेश दिया था?"
(a) सत्य और न्याय का पालन करने का
(b) अहंकार और युद्ध को बढ़ावा देने का
(c) शांति और प्रेम के मार्ग पर चलने का
(d) दोनों (a) और (c)

Q30. "EQUITY" के लिए सही हिन्दी पारिभाषिक शब्द है-
(a) निष्पक्षता
(b) समता
(c) संपत्ति
(d) समानता

Q31."SYMPATHY" के लिए सही हिन्दी पारिभाषिक शब्द है-
(a) सहानुभूति
(b) समानुभूति
(c) सद्भावना
(d) आत्मीयता

Adda247

Q32. "माता-पिता के गुस्से मे भी बच्चों की भलाई छिपी होती है" वाक्य में भाववाचक संज्ञा है-
(a) माता-पिता
(b) बच्चों
(c) भलाई
(d) छिपी

Q33. "भारत" शब्द किस प्रकार की संज्ञा है?
(a) व्यक्तिवाचक संज्ञा
(b) स्थानवाचक संज्ञा
(c) भाववाचक संज्ञा
(d) जातिवाचक संज्ञा

Q34. "आँखों का तारा" मुहावरे का अर्थ क्या है?
(a) प्रिय व्यक्ति
(b) बहुत तेज़ व्यक्ति
(c) तारा से जुड़ा व्यक्ति
(d) कोई चमकदार वस्तु

Q35. निम्नलिखित में से कौन सा वाक्य अशुद्ध है?
(a) मैं स्कूल जाता हूँ।
(b) वह बहुत अच्छे खेलता है।
(c) राधा ने मुझे पुस्तक दी।
(d) तुमने अच्छा किया।

Q36. "सूरज से तेज चला वह आकाश की ओर" वाक्य में रेखांकित शब्द में कौन सा पदबंध है?
(a) विशेषण पदबंध
(b) संज्ञा पदबंध
(c) क्रिया पदबंध
(d) क्रिया विशेषण पदबंध

Q37. जिस वाक्य में कर्म की प्रधानत होती है। उसे कहते है
(a) कर्म वाच्य
(b) भाव वाच्य
(c) कर्त वाच्य
(d) इनमे से कोई नहीं

Q38. निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य अशुद्ध है?
(a) हमें अपने माता-पिता का आदर करना चाहिए।
(b) वह स्कूल में पढ़ने जाता है।
(c) वह मिठाइयाँ खाती है।
(d) मैं तुम्हारे से नाराज हूँ।

Q39. अभिधा और लक्षणा शब्दशक्ति अपने-अपने अर्थों का बोध कराके शांत हो जाती है, तब जिस शब्दशक्ति से अर्थ बोध होता है, उसे क्या कहते हैं?
(a) अनुप्रास
(b) उत्प्रेक्षा
(c) व्यंजना
(d) अलंकार

Q40. शब्द तथा अर्थ के संबंध में विचार करनेवाले तत्व को क्या कहते हैं।
(a) शब्द शक्ति
(b) शब्द कोश
(c) दोनों विकल्प सही है
(d) लक्षणा

Q41. पायो जी मैंने राम रतन धन पायो।
उपर्युक्त पंक्तियों में कौन-सा अलंकार है?
(a) रूपक
(b) अन्योक्ति
(c) अतिशयोक्ति
(d) उपमा

Q42. मानो हवा के वेग से सोता हुआ सागर जगा।
उपर्युक्त पंक्ति मे कौन सा अलंकार है?
(a) अनुप्रास
(b) उत्प्रेक्षा
(c) रुपक
(d) इनमें से कोई नहीं

Q43. वह अलंकार जिसमें किसी व्यक्ति, स्थान या वस्तु का गुण या विशेषता किसी अन्य वस्तु से तुलना करके व्यक्त किया जाता है, उसे कहते हैं-
(a) रूपक
(b) उपमेय
(c) अनुप्रास
(d) अनुप्रस्थ

Q44. "उदित उदय गिरी मंच पर, रघुवर बाल पतंग। .." में कौन सा अलंकार है?
(a) रूपक
(b) यमक
(c) श्लेष
(d) उपमा

Q45. निम्नलिखित में से किस वाक्य में उपमा अलंकार का प्रयोग हुआ है?
(a) चंद्रमा के समान उसका मुख चमक रहा है।
(b) तुम तो साक्षात् क्रोध के देवता हो।
(c) सागर उफन रहा है जैसे मानो क्रोधित हो।
(d) हवा में फूलों की महक फैल रही है।

Q46. निम्नलिखित में से किस वाक्य में रूपक अलंकार का प्रयोग हुआ है?
(a) मनुष्य का जीवन एक बहती नदी है।
(b) वह सिंह की भांति युद्ध में लड़ता है।
(c) फूलों की खुशबू हवा में घुल गई।
(d) पर्वत की ऊँचाई जैसे आकाश को छू रही हो।

Q47. संस्कृत में कितने प्रकार के लघु और गुरु वर्ण होते हैं?
(a) 7 लघु और 7 गुरु
(b) 8 लघु और 8 गुरु
(c) 12 लघु और 6 गुरु
(d) 4 लघु और 12 गुरु

Q48.'वंशस्थ' किस प्रकार का छंद है?
(a) वर्णिक छन्द
(b) मात्रिक छन्द
(c) सम मात्रिक छन्द
(d) इनमें से कोई नहीं

Q49.'नाट्यशास्त्र' नामक ग्रंथ के रचयिता कौन हैं?
(a) भरत मुनि
(b) कालिदास
(c) शंकराचार्य
(d) रामानुजाचार्य

Q50."मैं सत्य कहता हूं, सके सुकुमार न मानो मुझे। यमराज से भी युद्ध को, प्रस्तुत सदा मानो मुझे। उपर्युक्त पंक्तियों में कौन-सा रस है?
(a) श्रृंगार रस
(b) वीर रस
(c) भयानक रस
(d) शांति रस

Solutions

S1. Ans.(a)
Sol. दीप + आवली
स्पष्टीकरण:
दीपावली का उचित संधि विच्छेद "दीप + आवली (अ + अ = आ)" होगा। **यह दीर्घ संधि का उदाहरण है।**
दीर्घ संधि- दीर्घ संधि, स्वर संधि का एक प्रकार है जिसमें दो स्वर्ण या सजातीय स्वरों के बीच संधि होकर उनके दीर्घ रूप हो जाते है। अर्थात दो स्वर्ण स्वर मिलकर दीर्घ हो जाते हैं।
'दीप' का अर्थ है 'दीपक' और 'आवली' का अर्थ है 'श्रृंखला' या 'लाइन'। इस प्रकार 'दीपावली' का अर्थ होता है 'दीपों की श्रृंखला'।
अन्य विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	स्थिति	कारण
(A) दीप + आवली	सही	'दीपावली' शब्द का सही संधि-विच्छेद है।
(B) दी + पावली	गलत	यह संधि-विच्छेद सही नहीं है, क्योंकि 'दी' और 'पावली' का कोई संबंध नहीं है।
(C) दीप + आ + वली	गलत	यह गलत संधि-विच्छेद है, क्योंकि 'आ' का यहां कोई प्रयोग नहीं है।
(D) दी + प + आ + वली	गलत	यह संधि-विच्छेद भी सही नहीं है, क्योंकि 'प' का यहां कोई स्थान नहीं है।

निष्कर्ष: सही उत्तर है (A) दीप + आवली।

S2. Ans.(c)
Sol. समास
स्पष्टीकरण:
जब दो या दो से अधिक शब्द अपने अर्थ को बिना बदले एक नए शब्द में बदल जाते हैं, तो इसे समास कहते हैं। उदाहरण के तौर पर, "राजपुत्र" (राजा + पुत्र), "दीनदयाल" (दीन + दयाल) आदि समास के उदाहरण हैं।
अन्य विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	स्थिति	कारण
(A) उपसर्ग	गलत	उपसर्ग एक विशेष शब्दांश है जो शब्द के पहले जोड़े जाता है, जैसे "अति-", "प्रति-" आदि।
(B) प्रत्यय	गलत	प्रत्यय वह शब्दांश होता है जो शब्द के अंत में जोड़े जाते है, जैसे "-ता", "-न" आदि।
(C) समास	सही	शब्द-रचना की ऐसी प्रक्रिया है जिसमें अर्थ की दृष्टि से परस्पर भिन्न तथा स्वतंत्र अर्थ रखने वाले दो या दो से अधिक शब्द मिलकर किसी अन्य स्वतंत्र शब्द की रचना करते हैं।
(D) सन्धि	गलत	**सन्धि** (सम् + धा + कि) शब्द का अर्थ है 'मेल' या जोड़। दो निकटवर्ती वर्णों के परस्पर मेल से जो विकार (परिवर्तन) होता है वह संधि कहलाता है।

निष्कर्ष:
"जब दो या दो से अधिक शब्द अपने अर्थ को बिना बदले एक नए शब्द में बदल जाते हैं, तो इसे समास कहते हैं।"

S3. Ans.(d)
Sol. तत्पुरुष
मुख्य बिन्दु:
- 'जलधि' का समास विग्रह होगा 'जल को धारण किया हुआ'।
- इसमें 'को' कारक का प्रयोग हुआ है।
- अतः इसमें तत्पुरुष समास है।

समास - समास उस प्रक्रिया को कहते हैं, जिसमें दो शब्द मिलकर उनके बीच के संबंधसूचक आदि का लोप करके नया शब्द बनाया जाता है। समास से तात्पर्य संक्षिप्तिकरण से है। समास के माध्यम से कम शब्दों में अधिक अर्थ प्रकट किया जाता है। जैसे - राजा का पुत्र = राजपुत्र।

समास के प्रकार निम्नलिखित हैं:

समास का नाम	परिभाषा	उदाहरण
तत्पुरुष समास	जिस समास में उत्तरपद प्रधान हो तथा समास करने के उपरांत विभक्ति (कारक चिह्न) का लोप हो।	गृहस्वामी = घर का मालिक , विद्यादाता = विद्या का दाता
बहुव्रीहि समास	जिस समास में दोनों पद प्रधान नहीं होते हैं और दोनों पद मिलकर किसी अन्य विशेष अर्थ की ओर संकेत करते हैं।	चक्रपाणि = जिसके हाथ में चक्र हो, चतुर्वेदी = चार वेद जानने वाला
कर्मधारय समास	जिस समास में विशेषण और विशेष्य के रूप में दोनों पद का संबंध हो।	श्वेतपुष्प = सफेद रंग का फूल, महानगर = महान है जो नगर
द्विगु समास	जिस समास में पूर्वपद (पहला पद) संख्यावाचक विशेषण हो।	चतुर्दिक = चार दिशाओं का समूह, सप्तसागर = सात समुद्र का समूह
अव्ययीभाव समास	जिस समास में पहला पद प्रधान हो और समस्त पद अव्यय का काम करें।	शीघ्रागमन = जल्दी आने वाला, प्रत्यक्ष = सामने रखे हुए
द्वन्द्व समास	द्वन्द्व समास में समस्तपद के दोनों पद समान रूप से प्रधान होते हैं। "और," "या," "एवं" आदि शब्दों का लोप होने पर बनता है।	रामलक्ष्मण = राम और लक्ष्मण, सूर्यचंद्र = सूर्य और चंद्रमा

S4. Ans.(a)
Sol. कमजोरी
स्पष्टीकरण:
'दृढ़ता' का अर्थ होता है मजबूत होना, किसी कार्य में दृढ़ निष्ठा और संकल्प रखना। इसका विलोम 'कमजोरी' होगा, जो कि नपुंसकता या शक्ति की कमी को दर्शाता है।
अन्य विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	स्थिति	कारण
(A) कमजोरी	सही	'दृढ़ता' का विलोम 'कमजोरी' है, क्योंकि यह एक विपरीत शब्द है।
(B) साहस	गलत	साहस 'दृढ़ता' के समानार्थक हो सकता है, न कि विलोम और साहस का विलोम शब्द 'भय' होता है
(C) संकल्प	गलत	संकल्प दृढ़ता से जुड़ा हुआ है, यह विलोम नहीं हो सकता।
(D) स्थिरता	गलत	स्थिरता दृढ़ता से मेल खाती है, लेकिन यह इसका विलोम नहीं है।

निष्कर्ष:
'दृढ़ता' का विलोम 'कमजोरी' है।

S5. Ans.(a)
Sol. प्रमाणित करना
स्पष्टीकरण:
'Substantiate' का अर्थ होता है किसी विचार, दावे या कथन को प्रमाणों या तथ्यों द्वारा समर्थन करना। इस शब्द के लिए सबसे उपयुक्त पारिभाषिक शब्द 'प्रमाणित करना' है, क्योंकि यह किसी बात को सच साबित करने या प्रमाणित करने की प्रक्रिया को दर्शाता है।

Adda247

अन्य विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	स्थिति	कारण
(A) प्रमाणित करना	सही	'Substantiate' का अर्थ किसी दावे या विचार को प्रमाणित करना है।
(B) अस्वीकार करना	गलत	'Substantiate' का अर्थ अस्वीकार करने से संबंधित नहीं है।
(C) स्पष्ट करना	गलत	'Substantiate' का अर्थ केवल स्पष्ट करना नहीं होता। यह प्रमाणित करने से जुड़ा होता है।
(D) घेरना	गलत	'Substantiate' का 'घेरना' से कोई संबंध नहीं है।

निष्कर्ष:

'Substantiate' के लिए सही पारिभाषिक शब्द 'प्रमाणित करना' है।

S6. Ans.(a)

Sol. प्रसिद्ध

स्पष्टीकरण:

'Eminent' का अर्थ होता है प्रसिद्ध, सम्मानित, या उच्च कोटि का। यह किसी व्यक्ति या चीज की श्रेष्ठता या उच्चता को दर्शाता है। इस शब्द के लिए सही पारिभाषिक शब्द 'प्रसिद्ध' है, जो प्रसिद्धि और सम्मान की ओर इशारा करता है।

अन्य विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	स्थिति	कारण
(A) प्रसिद्ध	सही	'Eminent' का अर्थ प्रसिद्ध, सम्मानित या उच्च स्तर का होता है।
(B) सामान्य	गलत	'Eminent' का अर्थ सामान्य से विपरीत होता है, यह किसी विशेष व्यक्ति को दर्शाता है।
(C) कुख्यात	गलत	'Eminent' का अर्थ कुख्यात से नहीं है।
(D) दुर्बल	गलत	'Eminent' का अर्थ दुर्बल (कमजोर) से नहीं होता।

निष्कर्ष:

'Eminent' के लिए सही पारिभाषिक शब्द 'प्रसिद्ध' है।

S7. Ans.(b)

Sol. पढ़ाई

स्पष्टीकरण:

वाक्य में 'उद्देश्य' वह है जिसे वाक्य में व्यक्त किया जा रहा है या जो क्रिया का लक्ष्य होता है। यहां 'वह पुस्तकालय में पढ़ाई करता है' वाक्य में क्रिया 'पढ़ाई करता है' है, और इसका उद्देश्य या लक्ष्य 'पढ़ाई' है, जो कि वाक्य का मुख्य उद्देश्य है।

अन्य विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	स्थिति	कारण
(A) पुस्तकालय	गलत	पुस्तकालय 'स्थल' को दर्शाता है, यह उद्देश्य नहीं है।
(B) पढ़ाई	सही	'पढ़ाई' क्रिया का उद्देश्य है, जिससे वाक्य का लक्ष्य स्पष्ट होता है।
(C) वह	गलत	'वह' कर्ता है, जो क्रिया कर रहा है, न कि उद्देश्य।
(D) पढ़ाई करता है	गलत	यह पूरी क्रिया है, लेकिन उद्देश्य 'पढ़ाई' ही है।

निष्कर्ष:

'वह पुस्तकालय में पढ़ाई करता है' वाक्य में उद्देश्य 'पढ़ाई' है।

Adda247
GET IT ON Google Play

S8. Ans.(d)
Sol. करता है
स्पष्टीकरण:
वाक्य "वह जल्दी काम करता है" में 'करता है' क्रिया है, जो वाक्य में विधेय के रूप में कार्य करती है। विधेय वह भाग होता है जो वाक्य में क्रिया या कार्य को व्यक्त करता है। यहाँ 'करता है' वह क्रिया है जो व्यक्ति (वह) द्वारा किए जा रहे कार्य को दर्शाती है।
अन्य विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	**स्थिति**	**कारण**
(A) वह	गलत	'वह' सर्वनाम है, जो कर्ता का काम करता है, लेकिन यह विधेय नहीं है।
(B) जल्दी	गलत	'जल्दी' क्रिया विशेषण है, जो कार्य के समय या गति को दर्शाता है, विधेय नहीं है।
(C) काम	गलत	'काम' संज्ञा है, जो क्रिया के लक्ष्य को दर्शाती है, विधेय नहीं है।
(D) करता है	सही	'करता है' क्रिया है, जो वाक्य में विधेय के रूप में कार्य कर रही है।

निष्कर्ष: सही उत्तर है **(d) करता है।**

S9. Ans.(c)
Sol. पाप करके पुण्य की राह पर चलना
स्पष्टीकरण:
'नौ सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली' यह लोकोक्ति तब उपयोग होती है, जब कोई व्यक्ति बहुत सारी बुरी या गलत बातें करता है और फिर अचानक अच्छा दिखने का प्रयास करता है। यह एक तरह से hypocrisy (पाखंड) को दर्शाने वाली लोकोक्ति है, जिसमें कोई व्यक्ति पाप करके पुण्य का आचरण करने का दावा करता है।

अन्य विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	**स्थिति**	**कारण**
(A) झूठ बोलना	गलत	इस लोकोक्ति में झूठ बोलने का कोई संदर्भ नहीं है।
(B) गलती करना	गलत	यह लोकोक्ति गलती करने के बजाय पाप और पुण्य से संबंधित है।
(C) पाप करके पुण्य की राह पर चलना	सही	यह लोकोक्ति पाप करने के बाद पुण्य की राह पर चलने की प्रवृत्ति को व्यक्त करती है।
(D) बहुत सारे काम करना	गलत	यह लोकोक्ति काम करने से ज्यादा किसी के पाप और पुण्य के बारे में है।

निष्कर्ष:
'नौ सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली' का अर्थ 'पाप करके पुण्य की राह पर चलना' है।

S10. Ans.(c)
Sol. वह घर जा रहे हैं।
स्पष्टीकरण:
वाक्य "वह घर जा रहे हैं" अशुद्ध है, क्योंकि 'वह' (एकवचन) के साथ 'जा रहे हैं' (बहुवचन क्रिया) का प्रयोग गलत है। इसे सही रूप में "वह घर जा रही है" या "वह घर जा रहा है" किया जाना चाहिए, जो वचन में सामंजस्य बनाए रखेगा।
अन्य विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	**स्थिति**	**कारण**
(A) उसने मुझे सच बताया।	सही	यह वाक्य व्याकरणिक दृष्टि से सही है।
(B) वह कल स्कूल जाएगी।	सही	यह वाक्य व्याकरणिक दृष्टि से सही है।
(C) वह घर जा रहे हैं।	गलत	'वह' के साथ 'जा रहे हैं' का प्रयोग अशुद्ध है।
(D) मैं जल्दी से स्कूल पहुँच गया।	सही	यह वाक्य व्याकरणिक दृष्टि से सही है।

निष्कर्ष: सही उत्तर है **(c)** वह घर जा रहे हैं।

S11. Ans.(b)
Sol. क्रिया विशेषण पदबंध
स्पष्टीकरण:
वाक्य "राजीव बड़े ध्यान से पढ़ाई करता है" में रेखांकित शब्द "बड़े ध्यान से" क्रिया "पढ़ाई करता है" को विशद और स्पष्ट रूप से बताने के लिए प्रयोग किया गया है, जिससे यह क्रिया विशेषण पदबंध बनता है। यह विशेष रूप से क्रिया "पढ़ाई करता है" की विशेषता बताता है, जो यह बताता है कि वह पढ़ाई किस प्रकार से करता है।
अन्य विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	स्थिति	कारण
(A) संज्ञा पदबंध	गलत	संज्ञा पदबंध संज्ञा से संबंधित होता है, लेकिन यहाँ पर क्रिया विशेषण का प्रयोग हुआ है।
(B) क्रिया विशेषण पदबंध	सही	यह पदबंध क्रिया को विशेष रूप से विस्तारित करता है, इसलिए यह सही है।
(C) विशेषण पदबंध	गलत	विशेषण पदबंध विशेषण से संबंधित होता है, लेकिन यहाँ पर क्रिया विशेषण है।
(D) क्रिया पदबंध	गलत	क्रिया पदबंध में क्रिया और अन्य शब्दों का मेल होता है, लेकिन यहाँ क्रिया विशेषण है।

निष्कर्ष:विकल्प **(B)** क्रिया विशेषण पदबंध सही है।

S12. Ans.(a)
Sol. कर्तृवाच्य
स्पष्टीकरण:
वाक्य "उसने सबको सच्चाई बताई।" में "उसने" कर्ता है, और वाक्य में यह स्पष्ट है कि कर्ता (उसने) मुख्य रूप से क्रिया "बताई" को अंजाम दे रहा है। इसलिए यह वाक्य कर्तृवाच्य है।
अन्य विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	स्थिति	कारण
(A) कर्तृवाच्य	सही	वाक्य में कर्ता को प्राथमिकता दी गई है।
(B) कर्तृवाच्य	गलत	यह विकल्प दोहराया गया है, जो एक त्रुटि है।
(C) कर्मवाच्य	गलत	कर्मवाच्य में कर्म पर जोर होता है, लेकिन यहाँ कर्ता मुख्य है।
(D) इनमें से कोई नहीं	गलत	वाक्य स्पष्ट रूप से कर्तृवाच्य है।

निष्कर्ष:विकल्प (A) कर्तृवाच्य सही है।

S13. Ans.(c)
Sol. विशेषण
स्पष्टीकरण:
वाक्य का वह अंश जो किसी वस्तु, व्यक्ति या स्थान के बारे में जानकारी प्रदान करता है, उसे विशेषण कहा जाता है। यह शब्द किसी संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता, गुण, संख्या, या मात्रा बताता है।
अन्य विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	स्थिति	कारण
(A) कर्ता	गलत	कर्ता वह होता है जो क्रिया करता है। यह वाक्य के विषय को दर्शाता है।
(B) कर्म	गलत	कर्म वह होता है जिस पर क्रिया का प्रभाव पड़ता है। यह जानकारी नहीं देता।
(C) विशेषण	सही	विशेषण किसी वस्तु, व्यक्ति या स्थान की विशेषता या गुण बताता है।
(D) संज्ञा	गलत	संज्ञा किसी वस्तु, व्यक्ति या स्थान का नाम होता है, यह विवरण नहीं देता।

निष्कर्ष:सही उत्तर है (C) विशेषण।

S14. Ans.(a)
Sol. परोक्षार्थ
स्पष्टीकरण:
वह शब्द जो किसी वस्तु के बारे में केवल संकेत करते हैं और जिसे प्रत्यक्ष रूप से नहीं देखा जा सकता, उसे परोक्षार्थ कहते हैं। यह अप्रत्यक्ष रूप से वस्तु के अस्तित्व या स्थिति की ओर इंगित करता है।
अन्य विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	स्थिति	कारण
(A) परोक्षार्थ	सही	परोक्षार्थ अप्रत्यक्ष रूप से किसी वस्तु के बारे में संकेत करता है।
(B) सापेक्षार्थ	गलत	सापेक्षार्थ किसी वस्तु का अर्थ संदर्भ या संबंध के आधार पर होता है।
(C) सामान्यार्थ	गलत	सामान्यार्थ समान अर्थ वाले शब्दों के लिए प्रयोग होता है।
(D) प्रत्यक्षार्थ	गलत	प्रत्यक्षार्थ किसी वस्तु को प्रत्यक्ष रूप से देखने या अनुभव करने पर आधारित है।

निष्कर्ष:सही उत्तर है (A) परोक्षार्थ।

S15. Ans.(b)
Sol. अभिधा
स्पष्टीकरण:
इस वाक्य में "साक्षात भगवान के दर्शन" का अर्थ अपने सामान्य और सीधा अर्थ (प्राथमिक अर्थ) में लिया गया है। जब किसी शब्द का उपयोग अपने मूल अर्थ में किया जाता है, तो वह अभिधा शब्द शक्ति कहलाती है।
अन्य विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	स्थिति	कारण
(A) व्यंजना	गलत	व्यंजना का उपयोग तब होता है जब शब्द के अर्थ में अप्रत्यक्ष या संकेतात्मक भाव हो।
(B) अभिधा	सही	यहाँ शब्द "साक्षात" और "भगवान" अपने सीधे और प्राथमिक अर्थ में उपयोग किए गए हैं।
(C) लक्षणा	गलत	लक्षणा तब होती है जब शब्द का अर्थ बदलकर दूसरे अर्थ की ओर संकेत करता है।
(D) तीनों	गलत	इस वाक्य में केवल अभिधा शब्द शक्ति का प्रयोग हुआ है।

निष्कर्ष:सही उत्तर है (B) अभिधा।

S16. Ans.(a)
Sol. रूपक
स्पष्टीकरण:
इस वाक्य में "गगन में चाँद सितारे खिले हैं" के माध्यम से चाँद और सितारों को फूलों के समान "खिलने" की कल्पना की गई है। यहाँ रूपक अलंकार है क्योंकि चाँद और सितारों को फूलों के समान रूप में प्रस्तुत किया गया है। रूपक में उपमेय और उपमान के बीच सीधा संबंध स्थापित किया जाता है।
अन्य विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	स्थिति	कारण
(A) रूपक	सही	चाँद और सितारों को फूलों के रूप में प्रस्तुत किया गया है।
(B) अनुप्रास	गलत	अनुप्रास तब होता है जब एक ही ध्वनि का बार-बार प्रयोग हो।
(C) उत्प्रेक्षावादी अलंकार	गलत	उत्प्रेक्षा में किसी वस्तु को दूसरे की तरह होने की संभावना व्यक्त की जाती है।
(D) स्यान्त अलंकार	गलत	स्यान्त अलंकार काव्य के अन्य संदर्भ में उपयोग होता है, जो यहाँ नहीं है।

निष्कर्ष:सही उत्तर है (A) रूपक।

S17. Ans.(b)
Sol. रूपक
स्पष्टीकरण:
वाक्य में "मनमोहक चेहरा" कहा गया है, जहाँ चेहरा को सीधे "मनमोहक" के रूप में वर्णित किया गया है। यह रूपक अलंकार का उदाहरण है क्योंकि इसमें उपमेय (चेहरा) और उपमान (मनमोहकता) के बीच सीधा संबंध स्थापित किया गया है।
अन्य विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	स्थिति	कारण
(A) उपमा	गलत	उपमा में उपमेय और उपमान के बीच तुलना "जैसे", "समान", आदि शब्दों के माध्यम से होती है, जो यहाँ नहीं है।
(B) रूपक	सही	इसमें चेहरा को सीधे मनमोहक कहा गया है, जो रूपक अलंकार का उदाहरण है।
(C) अनुप्रास	गलत	अनुप्रास में एक ही ध्वनि का बार-बार प्रयोग होता है, जो यहाँ नहीं है।
(D) यमक	गलत	यमक में एक ही शब्द के दो या अधिक अर्थ होते हैं, जो इस वाक्य में नहीं है।

निष्कर्ष:सही उत्तर है (B) रूपक।

S18. Ans.(a)
Sol. रूपक
स्पष्टीकरण:
इस वाक्य में "आँखों में चमक," "चेहरे पर मुस्कान" जैसे वाक्यांश व्यक्तित्व को सीधे तौर पर चमक के रूप में वर्णित कर रहे हैं। यह रूपक अलंकार का उदाहरण है, क्योंकि उपमेय (व्यक्तित्व) और उपमान (चमक) के बीच सीधा संबंध स्थापित किया गया है।
अन्य विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	स्थिति	कारण
(A) रूपक	सही	व्यक्तित्व को चमक के रूप में सीधा व्यक्त किया गया है, जो रूपक का उदाहरण है।
(B) अनुप्रास	गलत	अनुप्रास में एक ही ध्वनि या अक्षर का बार-बार प्रयोग होता है, जो यहाँ नहीं है।
(C) उपमा	गलत	उपमा में "जैसे" या "समान" शब्दों से तुलना होती है, जो यहाँ नहीं है।
(D) यमक	गलत	यमक में एक ही शब्द के दो भिन्न अर्थ होते हैं, जो इस वाक्य में नहीं है।

निष्कर्ष:सही उत्तर है (A) रूपक।

S19. Ans.(d)
Sol. उपमा
स्पष्टीकरण:
इस वाक्य में "जैसे" शब्द का प्रयोग किया गया है, जो उपमेय (उसकी आवाज़) और उपमान (शहद में घुली मिठास) के बीच तुलना करता है। यह उपमा अलंकार का स्पष्ट उदाहरण है।
अन्य विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	स्थिति	कारण
(A) रूपक	गलत	रूपक में उपमेय और उपमान के बीच तुलना बिना किसी संकेत शब्द के होती है। यहाँ "जैसे" शब्द का प्रयोग किया गया है।
(B) अनुप्रास	गलत	अनुप्रास में एक ही ध्वनि या अक्षर का बार-बार प्रयोग होता है, जो यहाँ नहीं है।
(C) श्लेष	गलत	श्लेष में एक ही शब्द के दो अर्थ होते हैं, जो यहाँ नहीं है।
(D) उपमा	सही	"जैसे" के माध्यम से उपमेय और उपमान की तुलना की गई है।

निष्कर्ष:सही उत्तर है (D) उपमा।

S20. Ans.(a)

Sol. रूपक

स्पष्टीकरण:

इस वाक्य में "सुनहरा सा हल्का प्रकाश" को रात की गहराई में बिखेरता हुआ दिखाया गया है, जो प्रकाश को एक विशेष रूप में वर्णित करता है। उपमेय और उपमान के बीच तुलना बिना किसी संकेत शब्द (जैसे, मानो) के की गई है। यह रूपक अलंकार का स्पष्ट उदाहरण है।

अन्य विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	स्थिति	कारण
(A) रूपक	सही	यहाँ उपमेय और उपमान के बीच तुलना बिना संकेत शब्द के की गई है।
(B) अनुप्रास	गलत	अनुप्रास में समान ध्वनि या अक्षर का बार-बार प्रयोग होता है, जो यहाँ नहीं है।
(C) उपमा	गलत	उपमा में "जैसे", "मानो" जैसे शब्दों का प्रयोग होता है, जो यहाँ नहीं है।
(D) यमक	गलत	यमक में एक शब्द के दो अर्थ होते हैं, जो यहाँ नहीं है।

निष्कर्ष:सही उत्तर है (A) रूपक।

S21. Ans.(d)

Sol. श्लेष

स्पष्टीकरण:

इस वाक्य में "शब्दों" का अर्थ दोहरा है—एक सामान्य अर्थ में बोले गए शब्द और दूसरा हाव-भाव के माध्यम से व्यक्त किए गए संकेत। इस प्रकार एक ही शब्द के दो अलग-अलग अर्थ प्रकट हो रहे हैं, जो श्लेष अलंकार का उदाहरण है।

अन्य विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	स्थिति	कारण
(A) रूपक	गलत	रूपक में उपमेय और उपमान की तुलना होती है, जो यहाँ नहीं है।
(B) उपमा	गलत	उपमा में "जैसे", "मानो" जैसे शब्दों से तुलना होती है, जो यहाँ नहीं है।
(C) यमक	गलत	यमक में एक शब्द का दो बार प्रयोग होता है, पर अर्थ नहीं बदलता।
(D) श्लेष	सही	एक शब्द (शब्दों) के दो भिन्न अर्थ निकलते हैं।

निष्कर्ष:सही उत्तर है **(D)** श्लेष।

S22. Ans.(b)

Sol. उपमा

स्पष्टीकरण:

वाक्य में "चाँद की तरह" और "जैसे आकाश में तारे छिटकते हैं" में "चाँद" और "आकाश में तारे" की तुलना की गई है। यह तुलना "जैसे" या "की तरह" शब्द से होती है, जो उपमा अलंकार का लक्षण है।

अन्य विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	स्थिति	कारण
(A) रूपक	गलत	रूपक में तुलना के बिना किसी वस्तु को दूसरी वस्तु के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, जो यहाँ नहीं है।
(B) उपमा	सही	उपमा में दो चीजों के बीच तुलना होती है, जो इस वाक्य में "चाँद" और "आकाश में तारे" के बीच हो रही है।
(C) यमक	गलत	यमक में एक शब्द के दो अर्थ होते हैं, जो यहाँ नहीं है।
(D) अनुप्रास	गलत	अनुप्रास में किसी ध्वनि या वर्ण का पुनरावृत्ति होती है, जो यहाँ नहीं है।

निष्कर्ष:सही उत्तर है **(B)** उपमा।

Adda247 GET IT ON Google Play

S23. Ans.(a)

Sol. सोरठा

स्पष्टीकरण:

सोरठा छंद में विषम चरण में 11-11 वर्ण होते हैं और सम में 13-13 वर्ण होते हैं।

अन्य विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	**स्थिति**	**कारण**
(A) सोरठा	सही	**सोरठा** छंद में विषम चरण में 11-11 वर्ण होते हैं और सम में 13-13 वर्ण होते हैं।
(B) त्रिताली	गलत	यह छंद नहीं है।
(C) रोला	गलत	यह गलत है।
(D) मंदाकिनी	गलत	यह छंद नहीं है।

निष्कर्ष:सही उत्तर है (A) **सोरठा**।

S24. Ans.(c)

Sol. प्रसाद गुण

स्पष्टीकरण:

काव्य में प्रसाद गुण वह गुण है, जिसके माध्यम से पाठक के मन में शांति, सौम्यता और संतुलन का अहसास होता है। यह गुण काव्य को सौम्य, सुंदर और मनोहर बनाता है।

अन्य विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	**स्थिति**	**कारण**
(A) माधुर्य गुण	गलत	माधुर्य गुण काव्य में मधुरता और लय का अहसास कराता है, पर शांति और संतुलन नहीं।
(B) ओज गुण	गलत	ओज गुण काव्य में उर्जा और वीरता का अहसास कराता है, शांति नहीं।
(C) प्रसाद गुण	सही	प्रसाद गुण काव्य में शांति, सौम्यता और संतुलन का अहसास कराता है।
(D) वीरता गुण	गलत	वीरता गुण काव्य में साहस और शक्ति का अहसास कराता है, शांति और संतुलन नहीं।

निष्कर्ष:सही उत्तर है (C) प्रसाद गुण।

S25. Ans.(b)

Sol. दो

स्पष्टीकरण:

काव्य में वीर रस दो प्रकार के होते हैं:

1. उत्साह वीर रस - यह वीरता के भाव से उत्पन्न होता है, जिसमें संघर्ष की भावना और साहस का प्रतीक होता है।
2. उद्वेग वीर रस - यह अधिक उग्र और तीव्र संघर्ष की स्थिति से उत्पन्न होता है, जहां शौर्य की उच्चतम अभिव्यक्ति होती है।

अन्य विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	**स्थिति**	**कारण**
(A) तीन	गलत	वीर रस केवल दो प्रकारों में विभाजित होते हैं, तीन नहीं।
(B) दो	सही	वीर रस दो प्रकार के होते हैं - उत्साह वीर रस और उद्वेग वीर रस।
(C) चार	गलत	वीर रस के चार प्रकार नहीं होते।
(D) पाँच	गलत	वीर रस के पाँच प्रकार नहीं होते।

निष्कर्ष:सही उत्तर है (B) दो।

S26. Ans.(a)

Sol. विद्या+आलय

व्याख्या:

"विद्यालय" शब्द का संधि-विच्छेद "विद्या + आलय" है, और यह एक सही संधि है। इस शब्द के प्रत्येक घटक का अर्थ निम्नलिखित है:

1. **विद्या:**
   "विद्या" संस्कृत का शब्द है, जिसका अर्थ है ज्ञान, शिक्षा, या ज्ञान की विद्या। यह शिक्षा, अध्ययन और विद्या से संबंधित किसी भी चीज़ को व्यक्त करता है।
2. **आलय:**
   "आलय" का अर्थ है स्थान, घर, या आधार। यह किसी स्थान या जगह का संकेत करता है, जहां कुछ विशिष्ट गतिविधियाँ होती हैं। उदाहरण के लिए, "आलय" का प्रयोग मंदिर, विद्यालय, या अन्य किसी स्थान के संदर्भ में किया जाता है।

जब इन दोनों शब्दों को जोड़ा जाता है, तो "विद्या + आलय" का अर्थ होता है "शिक्षा का स्थान" यानी विद्यालय, जहां शिक्षा और अध्ययन की गतिविधियाँ होती हैं। यह संयोजन पूरी तरह से सही और परिभाषित है।

अन्य वियकपो का विश्लेषण:

विकल्प	**संधि-विच्छेद**	**व्याख्या**	**सही/गलत**
(A)	विद्या + आलय	"विद्या" (ज्ञान, शिक्षा) और "आलय" (स्थान, घर) का संयोजन। शब्द का अर्थ 'शिक्षा का स्थान' या 'स्कूल' है।	सही
(B)	विद्या + लय	"लय" का अर्थ 'समाप्ति' या 'संवेदन' होता है, जो 'विद्यालय' के अर्थ से मेल नहीं खाता। यह गलत है।	गलत
(C)	विद्याल + य	"विद्याल" कोई सही शब्द नहीं है, इसलिए यह संयोजन व्याकरणिक दृष्टि से गलत है।	गलत
(D)	विद् + यालय	"विद्" (ज्ञानी) और "यालय" (स्थान) का संयोजन सही नहीं है। "विद्या" का प्रयोग सही होगा।	गलत

निष्कर्ष:

'विद्यालय' शब्द का सही संधि-विच्छेद **"विद्या + आलय"** है, जिसका अर्थ 'शिक्षा का स्थान' या 'स्कूल' होता है।

अन्य विकल्पों में दिए गए संयोजन **"विद्या + लय," "विद्याल + य,"** और **"विद् + यालय"** व्याकरणिक दृष्टि से गलत हैं, क्योंकि ये शब्द अर्थ की दृष्टि से मेल नहीं खाते और सही रूप में नहीं जुड़ते।

इस प्रकार, **(A) विद्या + आलय** ही सही संधि-विच्छेद है।

S27. Ans.(c)

Sol. द्वंद्व

व्याख्या:

द्वंद्व समास वह समास होता है जिसमें दोनों पदों का समान महत्व होता है और दोनों मिलकर एक ही अर्थ व्यक्त करते हैं। इस समास में दो या दो से अधिक शब्द मिलकर एक नया शब्द बनाते हैं, जिसमें प्रत्येक शब्द का योगदान समान होता है। इस प्रकार के समास में एक पद दूसरे पर निर्भर नहीं करता, बल्कि दोनों एक साथ मिलकर एक नई अवधारणा का निर्माण करते हैं।

उदाहरण के लिए:

माता-पिता (माता + पिता)

यहाँ "माता" और "पिता" दोनों पदों का समान महत्व है, और मिलकर यह समास 'माता और पिता' को दर्शाता है।

अन्य वियकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	समास प्रकार	व्याख्या	सही/गलत
(A)	तत्पुरूष	तत्पुरूष समास में पहला पद प्रधान होता है और दूसरा पद विशेषण के रूप में कार्य करता है। जैसे 'राजमहाल' (राजा + महल) में 'राजा' प्रधान है।	गलत
(B)	अव्ययीभाव	अव्ययीभाव समास में पहला पद अव्यय (जैसे 'न', 'अभी', 'बिना') और दूसरा पद संज्ञा या विशेषण होता है। जैसे 'नकली' (न + कली) में 'न' का विशेष महत्व है।	गलत
(C)	द्वंद्व	द्वंद्व समास में दोनों पदों का समान महत्व होता है, और दोनों मिलकर एक ही अर्थ व्यक्त करते हैं। जैसे 'माता-पिता' (माता + पिता) में दोनों पद समान महत्व रखते हैं।	सही
(D)	बहुव्रीहि	बहुव्रीहि समास एक प्रकार का समास है जिसमें दो पदों (प्रथम पद और द्वितीय पद) मिलकर तीसरा पद (तृतीय पद) का निर्माण करते हैं। तीसरा पद प्रधान होता है और यह पहले दो पदों का अर्थ बताता है।	

निष्कर्ष:

द्वंद्व समास वह समास है, जिसमें दोनों पदों का समान महत्व होता है और दोनों मिलकर एक ही अर्थ व्यक्त करते हैं। उदाहरण के तौर पर "माता-पिता," "राजपुत्र" आदि में दोनों पद समान रूप से महत्वपूर्ण होते हैं।

अन्य समासों में, जैसे **तत्पुरूष**, **अव्ययीभाव**, और **बहुव्रीहि**, में एक पद का महत्व दूसरे से अधिक होता है।

- **तत्पुरूष** समास में पहला पद प्रधान होता है, जैसे "राजमहाल" (राजा + महल)।
- **अव्ययीभाव** समास में पहला पद अव्यय होता है, जैसे "नकली" (न + कली)।
- **बहुव्रीहि** समास एक प्रकार का समास है जिसमें दो पदों (प्रथम पद और द्वितीय पद) मिलकर तीसरा पद (तृतीय पद) का निर्माण करते हैं। तीसरा पद प्रधान होता है और यह पहले दो पदों का अर्थ बताता है। जैसे "सिंहासन" (सिंह + आसन)।

इस प्रकार, **(C) द्वंद्व** समास सही उत्तर है, क्योंकि इसमें दोनों पदों का समान महत्व होता है

S28. Ans.(c)

Sol. द्वंद्व

व्याख्या:

"दिन रात" एक द्वंद्व समास है, क्योंकि इसमें दोनों शब्द "दिन" और "रात" का समान महत्व है। दोनों शब्द मिलकर एक विशेष अवधारणा व्यक्त करते हैं, जिसमें एक साथ दिन और रात को दर्शाया जाता है। द्वंद्व समास में दोनों शब्दों का एक जैसे महत्व होता है और दोनों मिलकर एक नए अर्थ का निर्माण करते हैं। यहाँ पर "दिन" और "रात" दोनों मिलकर 'दिन और रात' का सामान्य अर्थ व्यक्त करते हैं।

विकल्पों का विश्लेषण (सरिणी में):

विकल्प	व्याख्या	कारण
(A) तत्पुरूष	तत्पुरूष समास में पहला पद प्रधान होता है और दूसरा पद उसे विशेषण प्रदान करता है। उदाहरण: **राजमहाल** (राजा + महल) जहां "राजा" प्रमुख है।	"दिन रात" में दोनों शब्द समान रूप से महत्वपूर्ण हैं, इसलिए यह तत्पुरूष समास नहीं हो सकता।
(B) अव्ययीभाव	अव्ययीभाव समास में पहला पद अव्यय (जैसे 'न', 'बिना', 'अभी') होता है और दूसरा पद संज्ञा या विशेषण होता है। उदाहरण: **नकली** (न + कली)।	"दिन रात" में अव्यय शब्द नहीं है, दोनों शब्द संज्ञा हैं और कोई अव्यय उपयोग नहीं हुआ, इसलिए यह अव्ययीभाव समास नहीं हो सकता।

विकल्प	व्याख्या	कारण
(C) द्वंद्व	द्वंद्व समास में दोनों पदों का समान महत्व होता है और दोनों मिलकर एक अर्थ व्यक्त करते हैं। उदाहरण: **दिन रात** (दिन + रात) जहां दोनों समान रूप से महत्वपूर्ण हैं।	"दिन" और "रात" दोनों का समान महत्व है और मिलकर समय के दो हिस्सों को व्यक्त करते हैं, इसलिए यह द्वंद्व समास है।
(D) बहुव्रीहि	बहुव्रीहि समास एक प्रकार का समास है जिसमें दो पदों (प्रथम पद और द्वितीय पद) मिलकर तीसरा पद (तृतीय पद) का निर्माण करते हैं। तीसरा पद प्रधान होता है और यह पहले दो पदों का अर्थ बताता है। उदाहरण: **सिंहासन** (सिंह + आसन)।	"दिन रात" में ऐसा कोई गुण या उद्देश्य नहीं है, दोनों शब्द मिलकर समय के दो हिस्सों को व्यक्त करते हैं, इसीलिए यह बहुव्रीहि समास नहीं हो सकता।

निष्कर्ष:
"दिन रात" का समास **द्वंद्व** है क्योंकि इसमें दोनों पदों का समान महत्व होता है और दोनों मिलकर एक नया अर्थ व्यक्त करते हैं

S29. Ans.(d)
Sol. दोनों (a) और (c)
व्याख्या: श्रीकृष्ण ने दुर्योधन को सत्य, न्याय, शांति, और प्रेम के मार्ग पर चलने का संदेश दिया था। उन्होंने उसे यह बताया था कि सत्य की राह पर चलना और न्याय का पालन करना जीवन की सच्ची दिशा है। साथ ही, श्रीकृष्ण ने दुर्योधन से शांति और प्रेम को प्राथमिकता देने का भी आग्रह किया।
विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	व्याख्या	कारण
(A) सत्य और न्याय का पालन करने का	श्रीकृष्ण ने दुर्योधन को सत्य और न्याय का पालन करने के लिए प्रेरित किया था।	यह संदेश श्रीकृष्ण ने दुर्योधन को दिया था, और वह उसे समझाने की कोशिश कर रहे थे।
(B) अहंकार और युद्ध को बढ़ावा देने का	श्रीकृष्ण ने दुर्योधन को अहंकार और युद्ध बढ़ाने के लिए नहीं कहा था।	यह पूरी तरह से गलत है क्योंकि श्रीकृष्ण का संदेश शांति और विवेकपूर्ण निर्णय लेने का था।
(C) शांति और प्रेम के मार्ग पर चलने का	श्रीकृष्ण ने शांति और प्रेम का मार्ग दिखाने की कोशिश की थी।	यह भी सही है, क्योंकि श्रीकृष्ण का संदेश शांति, प्रेम और अहंकार से बचने का था।
(D) दोनों (a) और (c)	सत्य, न्याय और शांति के पालन की बात की गई थी।	यह सही उत्तर है, क्योंकि श्रीकृष्ण ने दुर्योधन से सत्य, न्याय और शांति के मार्ग पर चलने का आग्रह किया था।

निष्कर्ष: श्रीकृष्ण ने दुर्योधन को सत्य और न्याय का पालन करने का और शांति तथा प्रेम के मार्ग पर चलने का संदेश दिया था, इसलिए विकल्प (d) सही है।

S30. Ans.(a)
Sol. निष्पक्षता और न्याय
व्याख्या: "EQUITY" का अर्थ है न्याय और निष्पक्षता, विशेष रूप से वह स्थिति जिसमें सभी व्यक्तियों को समान अवसर और अधिकार मिले, और जिसमें उनके बीच संतुलन और समानता को सुनिश्चित किया जाता है। यह विशेष रूप से कानूनी और सामाजिक संदर्भों में उपयोग होता है, जहां न्याय की प्रक्रिया में निष्पक्षता और समानता सुनिश्चित की जाती है।
विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	अंग्रेजी शब्द	कारण
(A) निष्पक्षता	Equity	"EQUITY" का अर्थ है निष्पक्षता, इसलिए यह सही है।
(B) समता	Equality	"समता" का अर्थ समानता है, लेकिन "EQUITY" का मतलब सिर्फ समानता से नहीं है, बल्कि न्यायपूर्ण वितरण से है।
(C) संपत्ति	Property	"EQUITY" का संपत्ति से कोई संबंध नहीं है। यह शब्द संपत्ति के लिए प्रयुक्त होता है।
(D) समानता	Equality	“EQUITY” का समानता से कोई संबंध नहीं है।

निष्कर्ष: "EQUITY" के लिए सही हिंदी पारिभाषिक शब्द "निष्पक्षता और न्याय" है, और इसका अंग्रेजी अनुवाद "Equity" है, इसलिए विकल्प (a) सही है।

Adda247
GET IT ON Google Play

S31. Ans.(a)
Sol. सहानुभूति
व्याख्या: "SYMPATHY" का अर्थ है दूसरों के दुःख या कठिनाई को समझना और उनके प्रति सहानुभूति या सहायक भावना रखना। हिंदी में इसे "सहानुभूति" कहा जाता है, जिसका अर्थ होता है किसी अन्य व्यक्ति के दुःख या कष्ट को महसूस करना और उसमें सहभागी बनना।
विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	हिंदी शब्द	अंग्रेजी शब्द
(A) सहानुभूति	सहानुभूति	Sympathy
(B) समानुभूति	समानुभूति	Empathy
(C) सद्भावना	सद्भावना	Goodwill
(D) आत्मीयता	आत्मीयता	Intimacy

कारण:
(a) सहानुभूति: सहानुभूति का अर्थ है किसी व्यक्ति के दुःख-दर्द को महसूस करना और उसे समझना। यह "SYMPATHY" का सबसे उपयुक्त हिंदी रूप है। "SYMPATHY" का अर्थ है किसी के दुःख के प्रति सहानुभूति, इसलिए यह सही है।
(b) समानुभूति: समानुभूति का अर्थ होता है किसी व्यक्ति की भावनाओं के साथ मेल करना, परंतु यह सहानुभूति के अर्थ से भिन्न होता है। यह शब्द कुछ हद तक समान लगता है, लेकिन सहानुभूति के अर्थ में नहीं आता।
(c) सद्भावना: सद्भावना का अर्थ होता है अच्छे विचार और शुभकामनाएँ, पर यह "SYMPATHY" से भिन्न होता है। यह भावनात्मक सहायकता से संबंधित नहीं है, बल्कि यह अच्छे विचारों और इरादों से जुड़ा होता है।
(d) आत्मीयता: आत्मीयता का अर्थ होता है किसी के साथ घनिष्ठ और व्यक्तिगत संबंध रखना, जो "SYMPATHY" से अलग है। आत्मीयता भावनात्मक संबंध को दर्शाता है, लेकिन यह सहानुभूति की जगह नहीं ले सकता।
निष्कर्ष: "SYMPATHY" के लिए सही हिंदी पारिभाषिक शब्द "सहानुभूति" है, और इसका अंग्रेजी अनुवाद "Sympathy" है, इसलिए विकल्प (a) सही है।

S32. Ans.(c)
Sol. भलाई
व्याख्या:
भाववाचक संज्ञा वह होती है, जो किसी भावना, गुण, या स्थिति को व्यक्त करती है। उदाहरण के लिए, "भलाई" शब्द एक भाववाचक संज्ञा है क्योंकि यह किसी सकारात्मक भावना या अच्छाई को दर्शाता है।
विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	**व्याख्या**	**कारण**
(A) माता-पिता	"माता-पिता" एक संज्ञा है, लेकिन यह व्यक्ति या व्यक्तियों के नाम के रूप में कार्य करता है, न कि किसी भावना या गुण को व्यक्त करने के रूप में।	यह कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, क्योंकि यह किसी विशिष्ट व्यक्ति समूह को दर्शाता है, न कि कोई भावना या गुण।
(B) बच्चों	"बच्चों" भी एक संज्ञा है, जो व्यक्ति का समूह है। यह भी किसी भावना या गुण को व्यक्त नहीं करता है।	यह संज्ञा किसी व्यक्ति या समूह को व्यक्त करती है, न कि किसी भावनात्मक स्थिति को।
(C) भलाई	"भलाई" एक भाववाचक संज्ञा है, क्योंकि यह किसी अच्छे और सकारात्मक गुण या भावना को व्यक्त करता है। यह "goodness" या "welfare" का अर्थ देता है।	"भलाई" किसी अच्छे कार्य या सकारात्मक भावना को दर्शाता है, जो एक भाववाचक संज्ञा का आदर्श उदाहरण है।
(D) छिपी	"छिपी" एक विशेषण या क्रियाविशेषण हो सकता है, लेकिन यह किसी भावना को व्यक्त नहीं करता। यह क्रिया की स्थिति को व्यक्त करता है।	"छिपी" किसी भावनात्मक स्थिति को व्यक्त नहीं करता, यह केवल एक कार्य की स्थिति या क्रिया के रूप में कार्य करता है।

निष्कर्ष:
"माता-पिता के गुस्से में भी बच्चों की **भलाई** छिपी होती है" वाक्य में भाववाचक संज्ञा **भलाई** है, क्योंकि यह किसी अच्छे या सकारात्मक गुण को दर्शाता है।

S33. Ans.(b)
Sol. स्थानवाचक संज्ञा
व्याख्या:
"भारत" शब्द एक स्थानवाचक संज्ञा है क्योंकि यह किसी विशेष स्थान, अर्थात एक देश, को दर्शाता है। स्थानवाचक संज्ञा उस स्थान या जगह का नाम होती है, जहां पर कुछ घटित होता है या जो किसी विशेष स्थान का प्रतीक होती है।
विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	व्याख्या	कारण
(A) व्यक्तिवाचक संज्ञा	व्यक्तिवाचक संज्ञा किसी विशेष व्यक्ति का नाम होती है, जैसे "राम", "मोहन" आदि।	"भारत" किसी व्यक्ति का नाम नहीं है, बल्कि यह एक देश का नाम है, इसलिए यह व्यक्तिवाचक संज्ञा नहीं हो सकती।
(B) स्थानवाचक संज्ञा	स्थानवाचक संज्ञा किसी स्थान, क्षेत्र, या जगह का नाम होती है, जैसे "भारत", "दिल्ली", "गंगा" आदि।	"भारत" एक देश का नाम है, जो एक स्थान को दर्शाता है, इसलिए यह स्थानवाचक संज्ञा है।
(C) भाववाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा किसी भावना, विचार या स्थिति को व्यक्त करती है, जैसे "दुःख", "खुशी", "भलाई" आदि।	"भारत" किसी भावना या विचार का नाम नहीं है, बल्कि यह एक भौतिक स्थान का नाम है, इसलिए यह भाववाचक संज्ञा नहीं हो सकती।
(D) जातिवाचक संज्ञा	जातिवाचक संज्ञा किसी समूह, प्रजाति या वर्ग का नाम होती है, जैसे "मनुष्य", "पशु", "पक्षी" आदि।	"भारत" कोई जाति या वर्ग नहीं है, बल्कि यह एक देश है, इसलिए यह जातिवाचक संज्ञा नहीं हो सकती।

निष्कर्ष:
"भारत" शब्द एक **स्थानवाचक संज्ञा** है क्योंकि यह किसी स्थान, विशेषकर देश, का नाम है।

S34. Ans.(a)
Sol. सही उत्तर: (A) प्रिय व्यक्ति
व्याख्या:
"आँखों का तारा" एक हिंदी मुहावरा है, जिसका अर्थ है "प्रिय व्यक्ति"। यह मुहावरा किसी ऐसे व्यक्ति को संदर्भित करता है, जो किसी के लिए बहुत प्रिय और विशेष हो। यह किसी के प्रति गहरी स्नेहभावना या विशेष स्नेह व्यक्त करने के लिए उपयोग किया जाता है।
विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	व्याख्या	कारण
(A) प्रिय व्यक्ति	"आँखों का तारा" का अर्थ है "प्रिय व्यक्ति", अर्थात वह व्यक्ति जिसे बहुत प्यार और सम्मान दिया जाता है।	यह मुहावरा किसी प्रिय और बहुत खास व्यक्ति को व्यक्त करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जैसे कि बच्चे के लिए माँ-बाप, या किसी प्रिय मित्र के लिए।
(B) बहुत तेज़ व्यक्ति	"आँखों का तारा" का अर्थ किसी तेज़ व्यक्ति से संबंधित नहीं है।	यह मुहावरा किसी के तेज़ या चमकदार होने से जुड़ा नहीं है, बल्कि यह एक प्रिय व्यक्ति को ही दर्शाता है।
(C) तारा से जुड़ा व्यक्ति	यह विकल्प "आँखों का तारा" के सही अर्थ से मेल नहीं खाता है, क्योंकि यह केवल एक मुहावरा है, जिसमें तारा से किसी व्यक्ति का संबंध नहीं है।	"आँखों का तारा" का अर्थ किसी प्रिय व्यक्ति से होता है, न कि तारा से जुड़े किसी व्यक्ति से।

विकल्प	व्याख्या	कारण
(D) कोई चमकदार वस्तु	यह अर्थ "आँखों का तारा" मुहावरे से मेल नहीं खाता, क्योंकि यह मुहावरा एक व्यक्ति को संदर्भित करता है, न कि किसी वस्तु को।	मुहावरा किसी वस्तु के चमकने से संबंधित नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति के प्रति स्नेह को व्यक्त करता है।

निष्कर्ष:
"आँखों का तारा" मुहावरे का अर्थ "प्रिय व्यक्ति" होता है, जो किसी के लिए बहुत खास और महत्वपूर्ण होता है।

S35. Ans.(b)
Sol. वह बहुत अच्छे खेलता है।
व्याख्या:
वाक्य "वह बहुत अच्छे खेलता है" में अशुद्धता है। यहाँ "अच्छे" की जगह "अच्छा" का प्रयोग होना चाहिए। "अच्छा" एक सर्वनाम है जो "खेलता" क्रिया के साथ मेल खाता है, क्योंकि "वह" एक पुल्लिंग सर्वनाम है।
विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	व्याख्या	कारण
(A) मैं स्कूल जाता हूँ।	यह वाक्य सही है। "मैं" के साथ "जाता" का प्रयोग सही है।	यहाँ वाक्य का प्रयोग सही ढंग से किया गया है, जो कर्ता और क्रिया का मेल दर्शाता है।
(B) वह बहुत अच्छे खेलता है।	यह वाक्य अशुद्ध है। "वह" के साथ "अच्छा" का प्रयोग होना चाहिए, क्योंकि "वह" एक पुल्लिंग सर्वनाम है।	"अच्छा" को "अच्छे" से बदलने से वाक्य सही हो जाएगा।
(C) राधा ने मुझे पुस्तक दी।	यह वाक्य सही है। "राधा" (स्त्रीलिंग) और "पुस्तक" (स्त्रीलिंग) का संयोग सही है।	वाक्य में कोई अशुद्धि नहीं है। यहाँ कर्ता (राधा) और क्रिया (दी) का सही प्रयोग हुआ है।
(D) तुमने अच्छा किया।	यह वाक्य भी सही है। "तुमने" के साथ "अच्छा किया" का प्रयोग उचित है।	यहाँ वाक्य में कोई त्रुटि नहीं है, और यह सही रूप से व्याकरण के अनुसार है।

निष्कर्ष:
वाक्य "वह बहुत अच्छे खेलता है" में अशुद्धता है। सही वाक्य "वह बहुत अच्छा खेलता है" होगा।

S36. Ans.(d)
Sol. क्रिया विशेषण पदबंध
व्याख्या: वाक्य में "सूरज से तेज" रेखांकित शब्द है, जो "चला" क्रिया को विशेषण के रूप में वर्णित कर रहा है। यह बताता है कि वह कैसे चला, यानी उसकी गति को बताता है। अतः यह **क्रिया विशेषण पदबंध** है, जो क्रिया "चला" को विशेषण के रूप में स्पष्ट कर रहा है।
विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	व्याख्या	कारण
(A) विशेषण पदबंध	यह तब होता है जब पद किसी संज्ञा को विशेषण प्रदान करते हैं।	"सूरज से तेज" संज्ञा को विशेषण नहीं दे रहा है, बल्कि यह क्रिया को विशेषण दे रहा है।
(B) संज्ञा पदबंध	यह संज्ञा और उसके विशेषणों से बना होता है।	"सूरज से तेज" संज्ञा से संबंधित नहीं है, यह क्रिया के बारे में विशेषण प्रदान कर रहा है।
(C) क्रिया पदबंध	क्रिया के साथ जुड़ा पदबंध।	यह सिर्फ क्रिया को विशिष्ट रूप में नहीं व्यक्त कर रहा, बल्कि उसकी विशेषता (तेज़ness) को बता रहा है।
(D) क्रिया विशेषण पदबंध	यह क्रिया को विशेष रूप से वर्णित करता है।	"सूरज से तेज" यहाँ क्रिया "चला" को विशेषण प्रदान करता है, यह क्रिया विशेषण पदबंध है।

निष्कर्ष: "सूरज से तेज" एक क्रिया विशेषण पदबंध है क्योंकि यह क्रिया "चला" की विशेषता को व्यक्त कर रहा है।

S37. Ans.(a)

Sol. कर्म वाच्य

व्याख्या: वाक्य में **कर्म वाच्य** वह होता है जिसमें कर्म (वस्तु या क्रिया पर प्रभाव डालने वाला तत्व) की प्रधानता होती है। इसमें क्रिया का केंद्र **कर्म** होता है, और कर्ता का कोई विशेष रूप से उल्लेख नहीं होता। जैसे- "पुस्तक पढ़ी गई।" यहाँ "पढ़ी गई" क्रिया है और "पुस्तक" कर्म है, जो क्रिया का मुख्य प्रभाव दर्शाता है।

विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	व्याख्या	कारण
(A) कर्म वाच्य	वाक्य में कर्म की प्रधानता होती है।	वाक्य में यदि कर्म का प्रमुख उल्लेख हो, तो उसे कर्म वाच्य कहते हैं, जैसे "पुस्तक पढ़ी गई।" यहाँ कर्म (पुस्तक) की प्रधानता है।
(B) भाव वाच्य	वाक्य में भाव (अर्थ) या स्थिति की प्रधानता होती है।	"भाव वाच्य" में मुख्य रूप से भाव या स्थिति के बारे में बात होती है, जैसे "यह अच्छा किया गया।" यहाँ कर्म की प्रधानता नहीं है।
(C) कर्त वाच्य	वाक्य में कर्ता (जो क्रिया करता है) की प्रधानता होती है।	"कर्त वाच्य" में कर्ता का प्रधानता होती है, जैसे "राम ने पुस्तक पढ़ी।" यहाँ कर्म (पढ़ना) से पहले कर्ता (राम) प्रमुख होता है।
(D) इनमे से कोई नहीं	यह विकल्प तब सही होता, जब कोई अन्य विकल्प उपयुक्त न हो।	यहाँ "कर्म वाच्य" सबसे सही विकल्प है, इसलिए यह विकल्प सही नहीं है।

निष्कर्ष: वह वाक्य जिसमें कर्म की प्रधानता होती है, उसे **कर्म वाच्य** कहते हैं।

S38. Ans.(d)

Sol. मैं तुम्हारे से नाराज हूँ।

व्याख्या: इस वाक्य में **"तुम्हारे से"** का प्रयोग गलत है। सही रूप **"तुमसे"** होना चाहिए। हिंदी में "से" का प्रयोग **संपर्क संबंधी** शब्दों के साथ नहीं किया जाता, जैसे- "तुमसे", "मुझसे", "हमसे", आदि।

विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	व्याख्या	कारण
(A) हमें अपने माता-पिता का आदर करना चाहिए।	वाक्य सही है।	यह वाक्य पूर्णत: सही है क्योंकि "माता-पिता" के प्रति आदर की बात की जा रही है, और "करना चाहिए" सही है।
(B) वह स्कूल में पढ़ने जाता है।	वाक्य सही है।	यह वाक्य सही है, इसमें "वह" (कर्त्ता) और "पढ़ने जाता है" (क्रिया) का सामान्य संयोजन है।
(C) वह मिठाइयाँ खाती है।	वाक्य सही है।	यह वाक्य भी सही है, क्योंकि "वह" के साथ "खाती है" का प्रयोग सामान्यत: होता है, और वाक्य व्याकरणिक दृष्टि से सही है।
(D) मैं तुम्हारे से नाराज हूँ।	वाक्य अशुद्ध है।	"तुम्हारे से" का प्रयोग गलत है। सही रूप "तुमसे" होना चाहिए। हिंदी में "से" को इस संदर्भ में नहीं जोड़ा जाता।

निष्कर्ष: विकल्प (D) "मैं तुम्हारे से नाराज हूँ" में अशुद्धता है। सही रूप **"तुमसे"** होना चाहिए।

S39. Ans.(c)

Sol. व्यंजना

व्याख्या:

अभिधा और लक्षणा शब्दशक्ति अपने-अपने अर्थों का बोध कराके शांत हो जाती हैं, जबकि **व्यंजना** शब्दशक्ति तब सक्रिय होती है जब शब्द किसी अप्रत्यक्ष अर्थ को व्यक्त करता है, जो अभिधा और लक्षणा के बाद बोध होता है। उदाहरण के लिए, जब कोई कहता है "तुम चाँद की तरह चमक रहे हो", तो यहाँ चाँद का सीधा अर्थ नहीं लिया जा रहा है, बल्कि यह अप्रत्यक्ष रूप से यह व्यक्त किया जा रहा है कि व्यक्ति का रूप सुंदर है। इसे व्यंजना कहा जाता है।

विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	व्याख्या	कारण
(A) अनुप्रास	अनुप्रास अलंकार है, जिसमें किसी कविता में समान ध्वनियों का प्रयोग होता है।	अनुप्रास का संबंध ध्वनि से होता है, न कि अर्थ से। यहां अर्थ के बोध की बात हो रही है, इसलिए अनुप्रास सही नहीं है।
(B) उत्प्रेक्षा	उत्प्रेक्षा अलंकार है, जिसमें किसी अन्य वस्तु या व्यक्ति के माध्यम से किसी विचार या भाव का व्यक्त किया जाता है।	उत्प्रेक्षा सीधे अर्थ के बोध से संबंधित नहीं है, यह तो एक अलंकार है, जहां एक विचार का अन्य विचार से तुलना की जाती है।
(C) व्यंजना	व्यंजना वह शब्दशक्ति है, जिसके द्वारा किसी अप्रत्यक्ष अर्थ का बोध होता है। यह अभिधा और लक्षणा से आगे बढ़कर छिपे अर्थ को उद्घाटित करती है।	व्यंजना, जो अप्रत्यक्ष अर्थ का बोध कराती है, सही उत्तर है। यह सीधे अर्थ से संबंधित नहीं होती, बल्कि इसके माध्यम से कोई छिपा अर्थ व्यक्त होता है।
(D) अलंकार	अलंकार शब्दशक्ति का वह रूप है, जो साहित्य में काव्यात्मकता और सौंदर्य पैदा करता है, जैसे अनुप्रास, उत्प्रेक्षा, रूपक आदि।	अलंकार शब्दशक्ति के एक बड़े वर्ग को व्यक्त करता है, लेकिन यह शब्दशक्ति द्वारा अर्थ बोध से संबंधित नहीं है। इसलिए यह उत्तर सही नहीं है।

निष्कर्ष:

"व्यंजना" शब्दशक्ति वह है, जो अप्रत्यक्ष या छिपे हुए अर्थ का बोध कराती है और यह अभिधा और लक्षणा के बाद आती है, इसलिए विकल्प (c) सही उत्तर है।

S40. Ans.(a)

Sol. शब्द शक्ति

व्याख्या: शब्द और अर्थ के बीच संबंध को समझने और विश्लेषित करनेवाले तत्व को "शब्द शक्ति" कहा जाता है। शब्द शक्ति वह क्षमता है जो किसी शब्द को अपने अर्थ का बोध कराती है। यह शब्द के सही या विस्तारित अर्थ को प्रकट करने में मदद करती है। उदाहरण के तौर पर, "अग्नि" शब्द का अर्थ केवल आग नहीं, बल्कि गर्मी और ऊर्जा का स्रोत भी हो सकता है, इस तरह शब्द शक्ति का उपयोग किया जाता है।

विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	व्याख्या	कारण
(A) शब्द शक्ति	शब्द और अर्थ के संबंध को समझने और विचार करनेवाला तत्व। यह शब्द के अर्थ को प्रकट करने की क्षमता को व्यक्त करता है।	यह सही उत्तर है, क्योंकि शब्द और अर्थ के संबंध में विचार करनेवाला तत्व "शब्द शक्ति" है, जो शब्द के अर्थ को व्यक्त करने की क्षमता को बताता है।
(B) शब्द कोश	शब्दों का संग्रह, जिसमें शब्दों का अर्थ, उपयोग, और व्याकरणिक रूप दिए जाते हैं।	शब्द कोश एक शब्दों का संग्रह है, न कि शब्द और अर्थ के संबंध में विचार करनेवाला तत्व, इसलिए यह विकल्प सही नहीं है।
(C) दोनों विकल्प सही है	यह विकल्प कहता है कि शब्द शक्ति और शब्द कोश दोनों सही हैं।	शब्द कोश शब्दों का संग्रह है, जो शब्द और अर्थ के संबंध में विचार करनेवाला तत्व नहीं है, इसलिए यह विकल्प सही नहीं हो सकता।
(D) लक्षणा	लक्षणा एक अलंकार है, जो शब्दों के माध्यम से अप्रत्यक्ष अर्थ व्यक्त करने की प्रक्रिया को संदर्भित करता है।	लक्षणा शब्द और अर्थ के संबंध को सीधे नहीं बताती, बल्कि यह अप्रत्यक्ष अर्थ को व्यक्त करने वाली प्रक्रिया है, इसलिए यह सही उत्तर नहीं है।

निष्कर्ष:

"शब्द शक्ति" वह तत्व है जो शब्द और अर्थ के संबंध को समझने और विचार करने में मदद करता है, इसलिए **विकल्प (a)** सही उत्तर है।

Adda247
GET IT ON Google Play

S41. Ans.(c)

Sol. अतिशयोक्ति

व्याख्या: "पायो जी मैंने राम रतन धन पायो" पंक्ति में "राम रतन धन" को एक अत्यधिक या अतिशयोक्तिपूर्ण रूप में प्रस्तुत किया गया है। यहाँ "राम" और "रतन" का संदर्भ भगवान या दिव्यता से है, और "धन" का अर्थ एक अमूल्य और अनुपम वस्तु से है। इस पंक्ति में धन को "राम रतन" के रूप में अत्यधिक महत्व दिया गया है, जो वास्तविकता से अधिक या अत्यधिक होने का संकेत देता है, यही अतिशयोक्ति का उदाहरण है।

विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	**व्याख्या**	**कारण**
(A) रूपक	रूपक अलंकार में किसी वस्तु या व्यक्ति को किसी अन्य वस्तु या व्यक्ति के समान रूप में प्रस्तुत किया जाता है, जिससे दोनों के बीच एक अप्रत्यक्ष संबंध स्थापित होता है।	"राम रतन धन" में यह किसी वस्तु का रूपक नहीं है, बल्कि यह एक अतिशयोक्ति है, इसलिए यह विकल्प सही नहीं है।
(B) अन्योक्ति	अन्योक्ति अलंकार में किसी शब्द का प्रयोग उसके सामान्य अर्थ से भिन्न अर्थ में किया जाता है।	यह पंक्ति अन्योक्ति का उदाहरण नहीं है, बल्कि यहाँ अत्यधिक महत्व या अनुपम स्थिति को व्यक्त किया जा रहा है, जो अतिशयोक्ति का रूप है।
(C) अतिशयोक्ति	अतिशयोक्ति अलंकार में किसी वस्तु, गुण या घटना को वास्तविकता से अधिक बढ़ा-चढ़ाकर बताया जाता है।	"राम रतन धन" पंक्ति में धन को अत्यधिक महत्वपूर्ण और अमूल्य रूप में प्रस्तुत किया गया है, यह अतिशयोक्ति का उदाहरण है।
(D) उपमा	उपमा अलंकार में किसी वस्तु या व्यक्ति की तुलना किसी अन्य वस्तु या व्यक्ति से की जाती है।	यहाँ "राम रतन धन" के रूप में किसी प्रकार की तुलना नहीं की जा रही है, बल्कि इसे अतिशयोक्तिपूर्ण रूप से प्रस्तुत किया गया है।

निष्कर्ष:

"पायो जी मैंने राम रतन धन पायो" पंक्ति में अतिशयोक्ति अलंकार का प्रयोग किया गया है, क्योंकि यहाँ धन को अत्यधिक महत्व दिया गया है। इसलिए **विकल्प (c)** सही उत्तर है।

S42. Ans.(c)

Sol. रुपक

व्याख्या:

"मानो हवा के वेग से सोता हुआ सागर जगा" पंक्ति में "सागर" को सोने और जागने की क्रियाएँ दी गई हैं, जो एक रूपक अलंकार है। रूपक अलंकार में एक वस्तु या व्यक्ति को किसी दूसरी वस्तु या व्यक्ति की तरह प्रस्तुत किया जाता है। यहाँ "सागर" को मानवीय क्रिया जैसे सोना और जागना दी गई हैं, जो एक अप्रत्यक्ष तुलना है। इसलिए यह रुपक का उदाहरण है।

विकल्पों का विश्लेषण (सरिणी में):

विकल्प	**व्याख्या**	**कारण**
(A) अनुप्रास	अनुप्रास अलंकार में ध्वनियों का मेल होता है, जैसे किसी कविता में समान ध्वनियाँ।	यहाँ कोई ध्वनियों का मेल नहीं है, इसलिए अनुप्रास नहीं हो सकता।
(B) उत्प्रेक्षा	उत्प्रेक्षा अलंकार में किसी अन्य वस्तु या व्यक्ति के माध्यम से किसी विचार या भाव का व्यक्त किया जाता है।	"सागर" के जागने और सोने की क्रिया दी गई है, जो अप्रत्यक्ष रूप से रूपक है, इसलिए उत्प्रेक्षा नहीं हो सकता।
(C) रुपक	रूपक अलंकार में एक वस्तु या व्यक्ति को किसी दूसरी वस्तु या व्यक्ति के समान रूप में प्रस्तुत किया जाता है।	यहाँ "सागर" को सोने और जागने की मानवीय क्रियाएँ दी गई हैं, यह रूपक अलंकार का उदाहरण है।

Adda247
GET IT ON Google Play

विकल्प	व्याख्या	कारण
(D) इनमें से कोई नहीं	यह विकल्प गलत है।	क्योंकि यहाँ रूपक अलंकार का प्रयोग किया गया है, इसलिए यह विकल्प सही नहीं है।

निष्कर्ष: "मानो हवा के वेग से सोता हुआ सागर जगा" पंक्ति में रूपक अलंकार है, इसलिए विकल्प (c) सही है।

S43. Ans.(b)
Sol. उपमेय
व्याख्या: उपमेय अलंकार में किसी व्यक्ति, स्थान या वस्तु के गुण या विशेषता को किसी अन्य वस्तु से तुलना करके व्यक्त किया जाता है। इसे सामान्यत: "समानता" और "तुलना" के आधार पर परिभाषित किया जाता है। उदाहरण: "वह शेर की तरह बहादुर है", यहाँ "शेर" उपमेय है, जो व्यक्ति के बहादुर गुण को व्यक्त करता है।
विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	व्याख्या	कारण
(A) रूपक	रूपक अलंकार में किसी वस्तु या व्यक्ति को किसी अन्य वस्तु या व्यक्ति के समान रूप में प्रस्तुत किया जाता है।	रूपक में तुलना का भाव नहीं होता, बल्कि एक वस्तु को दूसरी के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।
(B) उपमेय	उपमेय अलंकार में किसी गुण या विशेषता को किसी अन्य वस्तु से तुलना करके व्यक्त किया जाता है।	यह वाक्य बिल्कुल उपमेय के अनुरूप है, क्योंकि इसमें तुलना द्वारा किसी गुण का बोध कराया गया है।
(C) अनुप्रास	अनुप्रास अलंकार में समान ध्वनियों का प्रयोग किया जाता है।	यहाँ ध्वनियों की समानता का कोई उदाहरण नहीं है, इसलिए अनुप्रास सही नहीं है।
(D) अनुप्रस्थ	अनुप्रस्थ अलंकार का कोई मान्यता प्राप्त रूप नहीं है।	यह विकल्प अप्रचलित है और गलत है।

निष्कर्ष: वह अलंकार जिसमें किसी व्यक्ति, स्थान या वस्तु का गुण या विशेषता किसी अन्य वस्तु से तुलना करके व्यक्त किया जाता है, उसे उपमेय कहते हैं, इसलिए विकल्प (b) सही है।

S44. Ans.(b)
Sol.
सहीउत्तर: (B) यमक
व्याख्या: "उदित उदय गिरी मंच पर, रघुवर बाल पतंग" वाक्य में "उदित" और "उदय" शब्दों का यमक अलंकार है। यमक अलंकार में किसी एक शब्द का एक ही वाक्य में दो विभिन्न अर्थों में प्रयोग किया जाता है। यहाँ "उदित" और "उदय" शब्द का प्रयोग एक ही वाक्य में किया गया है, जहां दोनों के अर्थ अलग-अलग हैं, लेकिन इनका उच्चारण समान है। इसलिए यह यमक अलंकार है।
विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	व्याख्या	कारण
(A) रूपक	रूपक अलंकार में किसी वस्तु या व्यक्ति को किसी अन्य वस्तु के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।	यहाँ कोई वस्तु या व्यक्ति दूसरी के रूप में प्रस्तुत नहीं हो रहा है, इसलिए रूपक सही नहीं है।
(B) यमक	यमक अलंकार में एक ही शब्द का विभिन्न अर्थों में प्रयोग होता है।	"उदित" और "उदय" शब्दों का उच्चारण समान है, लेकिन अर्थ अलग-अलग हैं, यह यमक का उदाहरण है।
(C) श्लेष	श्लेष अलंकार में एक शब्द के दो या दो से अधिक अर्थ होते हैं, और शब्दों के बीच जुड़ा हुआ अर्थ निकलता है।	यहाँ श्लेष का प्रयोग नहीं हो रहा है, क्योंकि केवल एक शब्द का दो अर्थों में प्रयोग हो रहा है।
(D) उपमा	उपमा अलंकार में किसी गुण या विशेषता को किसी अन्य वस्तु से तुलना करके व्यक्त किया जाता है।	यहाँ कोई तुलना नहीं हो रही है, इसलिए यह उपमा नहीं है।

निष्कर्ष: "उदित उदय गिरी मंच पर, रघुवर बाल पतंग" में यमक अलंकार है, क्योंकि एक ही शब्द "उदित" और "उदय" का विभिन्न अर्थों में प्रयोग किया गया है। इसलिए विकल्प (b) सही है।

S45. Ans.(a)

Sol. चंद्रमा के समान उसका मुख चमक रहा है।

व्याख्या: उपमा अलंकार में किसी वस्तु या व्यक्ति के गुण या विशेषता को किसी अन्य वस्तु से तुलना करके व्यक्त किया जाता है। "चंद्रमा के समान" में चंद्रमा और व्यक्ति के मुख की चमक की तुलना की जा रही है, जो उपमा अलंकार है।

विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	व्याख्या	कारण
(A) चंद्रमा के समान उसका मुख चमक रहा है।	उपमा अलंकार में किसी गुण को किसी अन्य वस्तु से तुलना करके व्यक्त किया जाता है।	यहाँ "चंद्रमा के समान" के द्वारा मुख की चमक की तुलना की जा रही है, यह उपमा है।
(B) तुम तो साक्षात् क्रोध के देवता हो।	यहाँ कोई तुलना नहीं की जा रही, बल्कि क्रोध के देवता को दर्शाया जा रहा है।	यह रूपक अलंकार है, जिसमें किसी को दूसरे के रूप में प्रस्तुत किया गया है।
(C) सागर उफन रहा है जैसे मानो क्रोधित हो।	यह वाक्य उत्प्रेक्षा अलंकार का उदाहरण है, जिसमें किसी विचार को दूसरी वस्तु से संबंधित किया जाता है।	यहाँ सागर और क्रोध को जोड़ा गया है, यह उत्प्रेक्षा है।
(D) हवा में फूलों की महक फैल रही है।	यह वाक्य सामान्य रूप से वर्णनात्मक है, इसमें किसी वस्तु की तुलना नहीं की जा रही।	इसमें कोई उपमा नहीं है, यह बस महक के फैलने का बयान है।

निष्कर्ष: उपमा अलंकार में किसी गुण या विशेषता को किसी अन्य वस्तु से तुलना करके व्यक्त किया जाता है, इसलिए विकल्प (a) सही उत्तर हैं।

S46. Ans.(a)

Sol. मनुष्य का जीवन एक बहती नदी है।

व्याख्या: रूपक अलंकार में किसी वस्तु या व्यक्ति को किसी अन्य वस्तु या व्यक्ति के समान रूप में प्रस्तुत किया जाता है। "मनुष्य का जीवन एक बहती नदी है" में जीवन को नदी के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जिससे जीवन की निरंतरता और परिवर्तन को दर्शाया गया है। यह रूपक अलंकार का उदाहरण है।

विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	व्याख्या	कारण
(A) मनुष्य का जीवन एक बहती नदी है।	रूपक अलंकार में किसी वस्तु को दूसरे के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।	यहाँ "जीवन" को "नदी" के रूप में प्रस्तुत किया गया है, यह रूपक अलंकार है।
(B) वह सिंह की भांति युद्ध में लड़ता है।	यह वाक्य उपमा अलंकार का उदाहरण है, क्योंकि यहाँ तुलना की जा रही है।	"सिंह की भांति" में तुलना की जा रही है, यह उपमा अलंकार है।
(C) फूलों की खुशबू हवा में घुल गई।	यह सामान्य वाक्य है, जिसमें रूपक या अन्य अलंकार का प्रयोग नहीं हुआ।	यह कोई रूपक या अलंकार नहीं है, बस खुशबू के फैलने का विवरण है।
(D) पर्वत की ऊँचाई जैसे आकाश को छू रही हो।	यह वाक्य उत्प्रेक्षा अलंकार का उदाहरण है।	यहाँ पर्वत की ऊँचाई को आकाश से जोड़कर उसकी विशालता को दर्शाया गया है, यह उत्प्रेक्षा है।

निष्कर्ष: "मनुष्य का जीवन एक बहती नदी है" में रूपक अलंकार का प्रयोग किया गया है, इसलिए विकल्प (a) सही है।

S47. Ans.(b)

Sol. 8 लघु और 8 गुरु

व्याख्या: संस्कृत में वर्णों को दो श्रेणियों में बांटा जाता है: लघु और गुरु। लघु वर्ण वे होते हैं जो एक मात्रिक होते हैं, जबकि गुरु वर्ण वे होते हैं जो दो मात्रिक होते हैं। संस्कृत में कुल 8 लघु और 8 गुरु वर्ण होते हैं।

यहाँ विकल्पों का विश्लेषण सारणी में प्रस्तुत किया गया है:

Adda247
GET IT ON Google Play

विकल्प	व्याख्या	कारण
(A) 7 लघु और 7 गुरु	यह संख्या गलत है।	संस्कृत में 8 लघु और 8 गुरु वर्ण होते हैं, न कि 7।
(B) 8 लघु और 8 गुरु	यह सही है।	संस्कृत में 8 लघु और 8 गुरु वर्ण होते हैं।
(C) 12 लघु और 6 गुरु	यह संख्या गलत है।	संस्कृत में 8 लघु और 8 गुरु वर्ण होते हैं, न कि 12 लघु और 6 गुरु।
(D) 4 लघु और 12 गुरु	यह संख्या गलत है।	संस्कृत में लघु और गुरु वर्णों की संख्या समान होती है, यानी 8-8।

निष्कर्ष: सही उत्तर विकल्प (b) है, क्योंकि संस्कृत में 8 लघु और 8 गुरु वर्ण होते हैं।

S48. Ans.(b)
Sol. मात्रिक छन्द
व्याख्या: 'वंशस्थ' एक मात्रिक छंद है, जिसमें हर चरण की मात्राएँ निश्चित होती हैं। यह छंद मात्राओं की संख्या के आधार पर रचित होता है, न कि वर्णों के आधार पर।
विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	व्याख्या	कारण
(A) वर्णिक छन्द	वर्णिक छंद वर्णों की संख्या पर आधारित होता है, न कि मात्राओं पर।	'वंशस्थ' मात्रिक छंद है, न कि वर्णिक।
(B) मात्रिक छन्द	यह छंद मात्राओं पर आधारित होता है, जिसमें प्रत्येक चरण में निश्चित मात्राएँ होती हैं।	'वंशस्थ' एक मात्रिक छंद है, क्योंकि यह मात्राओं की संख्या पर आधारित है।
(C) सम मात्रिक छन्द	सम मात्रिक छंद में प्रत्येक चरण में समान मात्राएँ होती हैं, लेकिन 'वंशस्थ' छंद इस श्रेणी में नहीं आता।	'वंशस्थ' एक मात्रिक छंद है, लेकिन इसमें मात्राओं की निश्चितता के साथ और कुछ विशेषता होती है।
(D) इनमें से कोई नहीं	यह विकल्प सही नहीं है, क्योंकि 'वंशस्थ' मात्रिक छंद है।	यह विकल्प गलत है, क्योंकि सही उत्तर (b) है।

निष्कर्ष: 'वंशस्थ' एक मात्रिक छंद है, इसलिए विकल्प (b) सही है।

S49. Ans.(a)
Sol. भरत मुनि
व्याख्या: 'नाट्यशास्त्र' भारतीय नाटक और कला का एक महत्वपूर्ण ग्रंथ है, जिसका रचनाकार भरत मुनि हैं। यह ग्रंथ नृत्य, संगीत, अभिनय, और नाटक से संबंधित सिद्धांतों और शास्त्रों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करता है। इसे भारतीय शास्त्रीय कला की आधारशिला माना जाता है।
विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	व्याख्या	कारण
(A) भरत मुनि	'नाट्यशास्त्र' ग्रंथ के रचनाकार हैं। यह नाटक और अभिनय के शास्त्र से संबंधित है।	'नाट्यशास्त्र' के रचनाकार भरत मुनि हैं, इसलिए यह सही उत्तर है।
(B) कालिदास	कालिदास महान संस्कृत काव्यकार थे, लेकिन उनका संबंध 'नाट्यशास्त्र' से नहीं है।	कालिदास ने 'अभिज्ञानशाकुंतलम्' और 'मेघदूत' जैसे ग्रंथों की रचना की, न कि 'नाट्यशास्त्र'।
(C) शंकराचार्य	शंकराचार्य महान दार्शनिक और अद्वैत वेदांत के प्रवर्तक थे, लेकिन उन्होंने 'नाट्यशास्त्र' का रचनात्मक योगदान नहीं दिया।	शंकराचार्य का योगदान दार्शनिक दृष्टिकोण से था, न कि नाट्यशास्त्र से।
(D) रामानुजाचार्य	रामानुजाचार्य ने विष्णुवाद का प्रचार किया था और उनका योगदान धार्मिक दृष्टिकोण से था।	रामानुजाचार्य का 'नाट्यशास्त्र' से कोई संबंध नहीं है।

निष्कर्ष: 'नाट्यशास्त्र' ग्रंथ के रचनाकार भरत मुनि हैं, इसलिए विकल्प (a) सही है।

S50. Ans.(b)

Sol. वीर रस

व्याख्या: "मैं सत्य कहता हूं, सके सुकुमार न मानो मुझे। यमराज से भी युद्ध को, प्रस्तुत सदा मानो मुझे।" इन पंक्तियों में व्यक्ति की वीरता और साहस को व्यक्त किया गया है। यहाँ यमराज से युद्ध करने की बात की जा रही है, जो वीरता का प्रतीक है। इस प्रकार, ये पंक्तियाँ वीर रस का उदाहरण हैं, जिसमें व्यक्ति की साहसिकता और अदम्य साहस को दर्शाया गया है।

विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	व्याख्या	कारण
(A) श्रृंगार रस	श्रृंगार रस प्रेम और स्नेह से संबंधित है। यह पंक्तियाँ प्रेम या स्नेह से संबंधित नहीं हैं।	यहाँ प्रेम या स्नेह की भावना नहीं है, बल्कि साहस और वीरता को व्यक्त किया जा रहा है।
(B) वीर रस	वीर रस में साहस, शक्ति और युद्ध की भावना होती है। यहाँ यमराज से युद्ध करने की बात की गई है, जो वीरता को दर्शाता है।	इन पंक्तियों में साहस और वीरता को प्रमुख रूप से व्यक्त किया जा रहा है, जो वीर रस है।
(C) भयानक रस	भयानक रस में डर और भय की भावना होती है। यहाँ डर या भय की भावना नहीं है।	इन पंक्तियों में डर की बात नहीं की गई है, बल्कि साहस और वीरता का चित्रण है।
(D) शांति रस	शांति रस में शांति और संतोष की भावना होती है। यहाँ शांति या संतोष की भावना नहीं है।	इन पंक्तियों में युद्ध की बात की जा रही है, इसलिए यह शांति रस नहीं हो सकता।

निष्कर्ष: "यमराज से भी युद्ध को, प्रस्तुत सदा मानो मुझे" जैसी पंक्तियाँ वीर रस का उदाहरण हैं, इसलिए विकल्प (b) सही है।

Adda247